पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 16.07.2017 इस अंक का मल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868002130

कारगिल विजय दिवस पर शहीद स्मृति यज्ञ

बुधवार, 26 जुलाई 2017
प्रातः 11 से 1 तक
जन्तर मन्तर नई दिल्ली
भारतीय सेना को सपोर्ट करने
साथियों सहित आयें—अनिल आर्य

वर्ष-34 अंक-04 श्रावण-2074 दयानन्दाब्द 193 16 जुलाई से 31 जुलाई 2017 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.07.2017, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् ने डा.श्यामाप्रसाद मुखर्जी के 116 वें जन्मोत्सव पर किया राष्ट्र रक्षा यज्ञ

धारा 370 को समाप्त करना ही डा.मुखर्जी को सच्ची श्रद्धाजंलि - डा. अनिल आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष

वीरवार, 6 जुलाई 2017, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के तत्वावधान में ''जन्तर मन्तर'' पर भारतीय जनसंघ के संस्थापक अमर शहीद डा. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के 116 वें जन्मोत्सव पर परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य के नेतृत्व में ''राष्ट्र रक्षा यज्ञ'' का आयोजन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यज्ञ की ब्रह्मा बहिन गायत्री मीना ने यज्ञ करवाया व इस अवसर पर सैकड़ों आर्य समाजियों ने पहुॅच कर देश की एकता व अखण्डता के लिये यज्ञ में आहुतियां डाली। श्रीमती पुष्पा व सुरेन्द्र शास्त्री मुख्य यजमान बने।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने कहा कि जम्मू कश्मीर से धारा 370 अविलम्ब समाप्त कर उसे देश की मुख्य धारा के साथ जोड़ा जाये, उन्होंने कहा कि धारा 370 हटाना ही केन्द्र सरकार की डा.मुखर्जी को सच्ची श्रद्धाजलि होगी, देश में जब तक समान आचार संहिता लागु नहीं होगी तब तक सब बाते अधुरी हैं। डा.आर्य ने कहा कि जम्मू—कश्मीर में सेना को पूरी खुली छूट दी जाये जिससे वह आंतकवादियों व उनके सरंक्षकों को सख्ती से कुचले सके,यह दुर्भाग्य पूर्ण है कि आज पाकिस्तान और आई.एस.आई. के झण्डे कश्मीर में लहराये जा रहे हैं, ऐसे लोगों से सरकार को कठोरता से निपटना चाहिये। डा.आर्य ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर खाली करवाने की मांग की।

परिषद् के महामत्री महेन्द्र भाई ने अलगाववादी नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था अविलम्ब समाप्त करने की मांग की। आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने कहा कि डा.मुखर्जी महान राष्ट्र भक्त थे,उन्होंने राष्ट्र के लिये सम्पूर्ण जीवन बलिदान कर दिया,आज उन्हीं की विचारधारा की केन्द्र में सरकार है, अब सरकार का दायित्व बनता है कि जिन उद्देश्यों के लिये डा.मुखर्जी ने बलिदान दिया था वह उन स्वपनों को पूरा करे और उनके जीवन चरित्र को पाठयपुस्तकों में उचित स्थान प्रदान करे।

श्री प्रवीन आर्य(महामंत्री परिषद्,उतर प्रदेश) ने बंगलादेशी घुसपैठियों को देश की सीमा से बाहर निकालने की मांग की,वह आज देश की सुरक्षा व अखण्डता के लिए खतरा बन चुके हैं। प्रान्तीय संचालक रामकुमारसिंह आर्य

(शेष पृष्ठ 3 पर)

जम्मू की वादियां ओ३म् के जयकारों, भारत माता-वन्देमातरम के नारों से गूंज उठी

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जम्मू कश्मीर का प्रान्तीय युवा शिविर सोल्लास सम्पन्न

समारोह अध्यक्ष डा.अनिल आर्य का स्वागत करते प्रान्तीय अध्यक्ष श्री सुभाष बब्बर,पार्षद रविन्द्र गुप्ता,यशपाल यश,रमेश खजुरिया,मुकेश मैनी। द्वितीय चित्र—वैदिक विद्वान आचार्य विद्याभानु शास्त्री का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य,यशपाल यश,अरूण आर्य,सुभाष बब्बर,सत्यप्रिय शास्त्री।

रविवार, 2 जुलाई 2017,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जम्मू कश्मीर के तत्वावधान में प्रान्तीय आर्य युवा निर्माण शिविर दिनांक 25 जून से 2 जुलाई 2017 तक आर्य समाज जानीपुर, जम्मू में आयोजित किया गया। आचार्य विद्याभानु शास्त्री,आचार्य सत्यप्रिय शास्त्री के प्रतिदिन उपदेश हुए। परिषद् के शिक्षक योगेन्द्र शास्त्री,प्रदीप आर्य,शिवकांत आर्य,गौरव आर्य ने प्रशिक्षण प्रदान किया। भव्य समापन समारोह रामलीला मैदान जानीपुर के खुले मैदान में हुआ। परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने जम्मू में इतने अधिक उत्साह के साथ कार्य करने के लिये सबको बधाई दी,डा.आर्य ने कहा कि आज पूरे हिन्दू समाज को एक जुट होने की आवश्यकता है तभी आपकी संस्कृति व देश बचेगा अन्यथा कुछ हाथ नहीं लगेगा। प्रान्तीय अध्यक्ष श्री सुभाश बब्बर ने सभी का धन्यवाद किया। विधायक श्री सतपाल शर्मा,श्री अरूण आर्य,श्री अरूण चौधरी,श्री राजीव सेठी,श्री रमेश खजुरिया,श्रीमती रूही—कपिल बब्बर आदि के पुरूशार्थ से शिविर सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। सभी ऋषि लंगर का आनन्द लेकर पूरे उत्साह के साथ विदा हुए।

इजरायल की ऐतिहासिक यात्रा के निहितार्थ

— अवधेश कुमार

अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इजरायल यात्रा के दौरान हुए सात समझौतों के आधार पर मूल्यांकन करें तो फिर वैसे सारे विश्लेषण कमजोर पड़ जाएंगे जो इस यात्रा के साथ लगातार सनसनाहट पैदा करने की कोशिश कर रहे थे। ये सातों समझौते विकास से संबंधित हैं। मसलन, तकनीकी अन्वेषण और उद्योग के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के लिए 4 करोड़ डॉलर का एक कोष बनाया जाना,भारत में जल संरक्षण,भारत के राज्यों में पानी की जरूरतों को पूरा करने तथा गंगा सफाई के लिए समझौता, भारत–इजरायल विकास निगम की कृषि के लिए 3 साल के कार्यक्रम (2018–2020) की घोषणा, नाभिकीय घड़ी के लिए सहयोग तथा छोटे उपग्रहों को बिजली देने आदि पर सहमति। इनसे कोई क्या निष्कर्ष निकालेगा? हालांकि इन समझौतों का महत्व कम नहीं है। इजरायल ने रेगिस्तान के बीच कम पानी में उन्नत खेती, समुद्र के खारा पानी से खेती तथा पानी को शुद्ध कर पीने योग्य बनाने, नाभिकीय विज्ञान आदि के क्षेत्र में जो उच्चतम प्रगति की है उसका भारत को व्यापक लाभ मिल सकता है। किंतु 70 साल में किसी प्रधानमंत्री की यात्रा केवल इन सहयोगों पर हस्ताक्षर के लिए ही हुई हो ऐसा तो नहीं माना जा सकता। वास्तव में इस यात्रा के महत्व व्यापक हैं। केवल पाकिस्तान और अरब ही नहीं, पूरी दुनिया की इस यात्रा पर गहरी नजर यूं ही नहीं थी।

एक देश, जिसको भारत ने अपनी आजादी के तीन साल बाद यानी 1950 में ही मान्यता दे दी लेकिन जिसके साथ राजनयिक संबंध विकसित करने से हिचकता रहा... इस सच्चाई के विपरीत कि बिना राजनयिक संबंध के उससे व्यापक स्तर पर सहयोग और सहकार विकसित हो चुका था। आखिर भारत से रक्षा संबंध तो 5 दशक से भी ज्यादा पुराना है। 1992 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंह राव द्वारा राजनयिक संबंध स्थापित करने का साहसी कदम उठाने के बावजूद 25 वर्षों तक किसी प्रधानमंत्री ने वहां जाने की जहमत नहीं उठाई। हालांकि दूसरे मंत्री और नेता गए लेकिन संतुलन बनाने के लिए उन्होंने फिलिस्तीन का भी दौरा किया। यहां तक कि जब 2015 में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज गईं तो उन्होंने भी फिलिस्तीन एवं जोर्डन की यात्रा की। राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने भी अपनी यात्रा में यही किया। इसमें यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वहां जाने तथा संबंधों को खुलकर स्वीकार करने का साहस दिखाया तो इसे सामान्य यात्रा कैसे कहेंगे। ध्यान रखिए, प्रधानमंत्री मोदी ने संतुलन बनाने की जो परंपरा थी उसे तोड़ दिया है। इस मायने में भी इसे पश्चिम एशिया की नीति में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव माना जा रहा है। सच कहा जाए तो यदि मोदी संतुलन की लीक पर चलते तो जो संदेश वो स्वयं इजरायल को और दुनिया को देना चाहते थे वो नहीं दे पाते। हमारे देश में परंपरागत विदेश नीति के समर्थक भले उसकी प्रशंसा करते, लेकिन उसका संदेश उतना मुखर नहीं जाता जितना अब गया है।

स्वयं इजरायल ने मोदी की यात्रा को जितना महत्व दिया उसे देखते हुए इतना तो स्वीकार करना होगा कि किस शिद्दत से उसके नेताओं को किसी भारतीय प्रधानमंत्री के आगमन का इंतजार था। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने कहा भी कि हमने इसके लिए 70 वर्ष इंतजार किया। जिस तरह का अभूतपूर्व स्वागत प्रधानमंत्री मोदी का इजरायल में हुआ वैसा सामान्यतः नेता की यात्रा में नहीं होता। 4 जुलाई को इजरायल पहुंचने से लेकर 6 जुलाई को प्रस्थानगी तक बेंजामिन नेतान्याहू लगातार प्रधानमंत्री के साथ रहे। केवल राष्ट्रपति रेवलिन से मुलाकात के समय वे उपस्थित नहीं थे। प्रधानमंत्री के तेल अबीब हवाई अड्डे पर उतरने के साथ नेतान्याहू अपने मंत्रिमंडल के ज्यादातर साथियों के साथ उपस्थित थे। इजरायल की ओर से पहले ही कह दिया गया था कि मोदी के साथ अभूतपूर्व व्यवहार होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति वहां आते हैं उससे भी यह व्यवहार थोड़ा आगे बढ़ गया। यह सब केवल दिखावटी नहीं हो सकता। मोदी का हवाई अड्डे पर स्वागत के लिए प्रोटोकॉल के हिसाब से किसी एक मंत्री या अधिकारी को भेजा जा सकता था। उसी तरह नेतान्याहू का हर समय साये की तरह साथ रहना भी अपरिहार्य नहीं था। राजनय में हाव–भाव और व्यवहार से बहुत कुछ संदेश निकलता है। बेजामिन ने जब हिन्दी में कहा कि आपका स्वागत है मेरे दोस्त तो साफ लगा कि उनके दिल से यह बात निकल रही है। दोनों जितनी बार गले मिले शायद वह भी एक रिकॉर्ड हो जाएगा।

कहने का तात्पर्य यह कि इस ऐतिहासिक यात्रा में क्या समझौते हुए ये ज्यादा मायने नहीं रखते, मायने इसके हैं कि इजरायल ने हमें कैसे लिया तथा भविष्य के लिए इसमें क्या संकेत छिपे हैं। प्रधानमंत्री ने नेतान्याहू को भारत आने का निमंत्रण दिया और उन्होंने स्वीकार लिया है। उस दौरान संबंधों की प्रकृति के स्वर कहीं ज्यादा मुखर होंगे। वैसे समझौते के बाद साझा पत्रकार वार्ता के दौरान दोनों देशों ने स्वयं को जिस तरह आतंकवाद से पीड़ित बताया और उसमें सहयोग की बात की उसके संदेश तीर की भांति चारों ओर गए हैं। मोदी ने कहा कि नेतन्याहू के साथ बातचीत में आतंकवाद की रोकथाम और अपने रणनीतिक हितों के संरक्षण के लिए साथ मिलकर अधिक विस्तार से काम करने की भी सहमति बनी है। नेतन्याहू ने कहा कि भारत आतंकवादी संगठनों द्वारा हिंसा और नफरत से सीधे तौर पर पीड़ित है और यही हाल इजरायल का भी है। अगर संयुक्त बयान पर नजर दौड़ाइए तो उसमें साफ कहा गया है कि दोनों नेताओं ने माना कि आतंकवाद वैश्विक शांति और स्थायित्व के लिये बड़ा खतरा है तथा उसके सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से लड़ने के लिये अपनी मजबूत प्रतिबद्धता पर जोर दिया। किसी भी आधार पर आतंकी कृत्य को न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता। बयान में कहा गया कि नेताओं ने जोर दिया कि आतंकवादियों, आतंकी संगठनों, उनके नेटवर्कों और उन सभी के खिलाफ जो उन्हें बढ़ावा, समर्थन, आर्थिक मदद और पनाह देते हैं पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। भारत कंप्रिहेन्सिव कन्वेंशन ऑन इंटरनेशनल टेररिज्म (सीसीआईटी) को संयुक्त राष्ट्रसंघ में जल्द पारित कराने के लिए अभियान चला रहा है और संयुक्त वक्तव्य में इसके प्रति प्रतिबद्धता जताई गई है।

इसका अपने–अपने अनुसार विभिन्न अर्थ लगाए जा सकते हैं। इजरायल पर जो हमला होता है उसे कुछ लोग उसी तरह आजादी का संघर्ष मानते हैं जैसा कश्मीर में आतंकवाद को। मोदी की यात्रा से इस स्थिति को नकारा गया है। इसे कुछ लोग भारत की विदेश नीति में बहुत बड़ा बदलाव कह सकते हैं। शायद कुछ लोग हमास की ओर इशारा करें। संयुक्त वक्तव्य में न फिलिस्तीन की चर्चा है न हमास की। जो लोग इजरायल के साथ संबंधों को फिलिस्तीन से जोड़कर देखने के समर्थक हैं उन्हें इससे निराशा हो सकती है, किंतु बदली हुई दुनिया की स्थिति को गौर करिए तो इसमें निराशा की कोई बात नहीं है। आतंकवाद इस समय समूची दुनिया के लिए चिंता का विषय है और इसके किसी रुप में स्वीकृति हमारे लिए भी खतरनाक हो सकती है। एक समय था जब हथियारबंद लड़ाई को एक वर्ग दुनिया भर में महिमामंडित करता था। अब आतंकवादियों ने दुनिया की सोच को इस विषय में बदल दिया है और यह सही भी है। वैसे यह मानना गलत होगा कि भारत ने इस यात्रा से फिलिस्तीन के मुद्दे को दफन कर दिया है। ऐसा करना होता तो भारत फिलिस्तीन या फिलिस्तीनी प्राधिकरण जो भी कहिए, के राष्ट्रपति मेहमूद अब्बासी को आमंत्रित कर अपने यहां बुलाया नहीं होता। पिछले मई में वे भारत आए थे और उनका एक राष्ट्राध्यक्ष के तौर पर पूरा सम्मान किया गया। मेहमूद अब्बासी ने स्वयं स्वीकार किया कि उन्हें पता है कि भारत के इजरायल से भी संबंध हैं। उन्होंने भारत से दोनों देशों के बीच समाधान कराने का आग्रह भी किया। कहने का तात्पर्य यह कि फिलिस्तीन को भी भारत इजरायल संबंधों का पता है। दूसरे, प्रधानमंत्री मोदी ने कई अरब देशों की यात्रा करने तथा अरब नेताओं की भारत में आवभगत करने के बाद इजरायल की यात्रा की है। इसका एक अर्थ यह भी निकाला जा सकता है कि उन्हें कुछ अरब देशों का विश्वास प्राप्त है और भविष्य में संभव है भारत फिलिस्तीन एवं इजरायल के बीच मध्यस्थता करके कोई शांतिपूर्ण समाधान निकाले। ऐसा हुआ तो फिर मोदी की यह यात्रा इतिहास के पन्नों में स्थायी रुप से दर्ज हो जाएगी।

दो देशों के बीच संबंधों के पीछे वैसे तो दोनों के अपने राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होते हैं। लेकिन इसके परे यदि दोनों उसे कुछ मानवीय सिद्धांतों पर आधारित कर दे तो यह सोने में सुगंध वाली बात हो जाती है। मोदी ने कहा कि हमारा लक्ष्य ऐसे रिश्ते बनाने का है जिसमें हमारी साझा प्राथमिकताएं परिलक्षित हों और हमारे लोगों के बीच स्थायी संबंध बनें। नेतान्याहू ने इसे स्वीकार किया और गरीब देशों खासकर अफ्रिकी देशों के विकास के लिए मिलकर काम करने का वायदा किया। इस दिशा में कितना किया जाएगा यह अलग बात है, पर इसके द्वारा भारत इजरायल संबंधों को एक आदर्श का आधार देने की भी कोशिश हुई है। इसकी प्रशंसा होनी चाहिए। वैसे भी भारत कमजोर देशों की आवाज माना जाता रहा है। अगर इजरायल के साथ मिलकर अफ्रिकी देशों के लिए कुछ किया जा सका तो यह उस आवाज को साकार करना ही होगा।

ई.:30, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्प्लेक्स, दिल्ली:110092,
दूर.:01122483408, 09811027208

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं के साथ हिंसा चिन्ता का विषय

देशभक्त युवाओं के निर्माण के लिये युवा संस्कार अभियान चलायेगें -डा.अनिल आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष

बैठक को सम्बोधित करते डा.अनिल आर्य,साथ में रामकृष्ण शास्त्री(बहरोड़),रामकुमार आर्य,महेन्द्र भाई,धर्मपाल आर्य व द्वितीय चित्र–सार्वदेशिक सभा के सभागार का सुन्दर द्रश्य।

नई दिल्ली। रविवार, 9 जुलाई 2017, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक महर्षि दयानन्द भवन, आसिफ अली रोड़, नई दिल्ली में परिषद् अध्यक्ष डा. अनिल आर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें विभिन्न प्रान्तों के आर्य युवा प्रतिनिधि सम्मिलित हुए तथा ग्रीष्मकालीन शिविरों की समीक्षा की गई।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने कहा कि पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं के साथ हो रही हिंसा की घटनायें चिन्ता का विषय है, वहां के अल्पसंख्यक हिन्दुओं के साथ अत्याचार तुरन्त बन्द होना चाहिये। उन्होंने केन्द्र सरकार से मांग कि की वह अपने प्रभाव का प्रयोग कर यह सुनिश्चत करे की भविष्य में हिन्दु वहां अपने का असुरक्षित महसूस न करें। मुख्यमन्त्री ममता बनर्जी का कर्तव्य बनता है कि वह अपने राजधर्म का निष्पक्ष रूप से पालन करे। डा.आर्य ने कहा कि परिषद् 12 अगस्त से 20 अगस्त 2017 तक ''युवा संस्कार अभियान'' चला कर देश भर में नयी युवा पीढ़ी में राष्ट्रीय भावना का प्रचार प्रसार करेंगी। परिषद् का वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन रविवार, 3 सितम्बर 2017 को आर्य समाज दीवान हाल, दिल्ली में करने व उसकी तैयारियों पर विचार हुआ। अमरनाथ यात्रियों पर हमले की कड़ी निन्दा की गई व केन्द्र सरकार से कठोर कदम उठाने की मांग की गई।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष स्वामी आर्यवेश ने कहा कि आज पाखण्ड, अन्धविश्वास बढ़ रहा है, युवा पीढ़ी में नशा खोरी की लत लग रही है, आर्य समाज युवाओं को नशे से बचाने के लिये अभियान चलायेगा। महामन्त्री महेन्द्र भाई ने बैठक का कुशल संचालन किया। आर्य नेता रामकुमार सिंह, धर्मपाल आर्य, रामकृष्ण शास्त्री (बहरोड़), वीरेन्द्र योगाचार्य (फरीदाबाद), वेदप्रकाशआर्य, प्रकाशवीरशास्त्री, सुरेन्द्र शास्त्री, विजय सब्रवाल, महावीरसिंह आर्य, शिशुपाल आर्य, कविता आर्या, आचार्य योगेन्द्र शास्त्री, गोपाल जैन, कमल आर्य, के. एल.राणा, देवदत आर्य, अनिल हाण्डा, सौरभ गुप्ता, शिवम मिश्रा, सुरेश आर्य (गाजियाबाद), दिनेश पथिक (अमृतसर) आदि ने भी अपने विचार रखे।

स्वामी आर्यवेश जी सम्बोधित करते हुए, साथ में रामकुमार आर्य,डा. अनिल आर्य, महेन्द्र भाई, धर्मपाल आर्य। द्वितीय चित्र–कु.नेहा,कामनी झा, भव्या डंग, काजल का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी, डा.अनिल आर्य व महेन्द्र भाई।

आर्यन अभिनन्दन समारोह

प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी 17 सितम्बर 2017 को दिल्ली में आर्यो का अभिनन्दन किया जाएगा।

(1) जो आर्यो व्यक्तिगत रूप से प्रकाशन चला रहे है, पत्रिका निकाल रहे हैं, पुस्तक विक्रेता हैं। (2) आर्य समाज के प्रचार में एक ही परिवार से पिता-पुत्र, पति-पत्नी, भाई-बहन, भाई-भाई आदि वेद प्रचार में लगे हैं। (3) जो पुरोहित एक ही आर्य समाज में 25 वर्ष या उससे ज्यादा समय से बैठकर सेवा कर रहे हैं। हम उन सभी का अभिनन्दन करेंगे। सम्पूर्ण विवरण लिखकर भेजने की कृपा करें।

ठाकुर विक्रम सिंह ट्रस्ट

ए-41, लाजपत नगर, द्वितीय, (निकट मेट्रो स्टेशन), नई दिल्ली-24

फोन-011-45791152, 29842527, 9599107207

(पृष्ठ 1 का शेष)

ने प्रधानमन्त्री से डा.मुखर्जी के नाम से कोई नयी परियोजना चलाने का अनुरोध किया । जुझारू समाजसेवी श्री ओमप्रकाश त्रेहन ने कहा कि डा.मुखर्जी का उद्घोष ''एक देश में दो विधान,दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेगे इसे सार्थक करने की आवश्यकता है । आर्य जन ''जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वह कश्मीर हमारा है'' के नारे लगा रहे थे । चीनी समान का भी बहिष्कार करने की अपील की गई। राजपथ पर या यमुना के किनारे भव्य शहीद स्मारक बनाने की मांग की गई। आर्य नेता ओमवीर सिंह, विजय सब्रवाल, वेदप्रकाश आर्य, कै. अशोक गुलाटी, प्रकाशवीर शास्त्री, अनिल हाण्डा, अरूण आर्य, शिवम मिश्रा, अरविन्द मिश्रा, गौरव गुप्ता, देवदत आर्य आदि ने भी अपने विचार रखे। प्रधान मन्त्री व केन्द्रीय गृहमन्त्री के नाम ज्ञापन भी दिया गया।

अमेरिका आर्य महासम्मेलन

आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के तत्वावधान में दिनांक 27 जुलाई से 30 जुलाई 2017 तक 27वां अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन न्यूयार्क में होने जा रहा है। सभी आर्य जन सादर आमन्त्रित हैं

–भुवनेश खोसला, महामंत्री

भावी राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द व श्री राजनाथ सिंह जी को बधाई

भावी राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द को केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 15 सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल ने भेंट कर बधाई प्रदान की। श्री कोविन्द को डा.अनिल आर्य ने शाल ,महर्षि दयानन्द का चित्र, ओम् की माला, पटका भेंट किया, साथ में हैं प्रवीन आर्या व महेन्द्र भाई। द्वितीय चित्र–माननीय केन्द्रीय गृहमन्त्री श्री राजनाथ सिंह जी के 66 वें जन्मोत्सव पर आर्य समाज की ओर से उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घ आयु के लिये उन्हें बधाई दी गई व केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने उन्हें महर्षि दयानन्द का चित्र भेंट कर शुभकामनायें प्रदान की।

युवा नेता अजय तनेजा व स्व.डा.धर्मपाल आर्य का अभिनन्दन

आर्य भजनोपदेशक परिषद् द्वारा आर्य समाज, जनकपुरी सी ब्लाक, दिल्ली के मंत्री श्री अजय तनेजा का अभिनन्दन करते प्रधान शिवकुमार मदान, सहदेव बेधड़क, स्वामी आर्यवेश, बृजपाल कर्मठ। द्वितीय चित्र–अन्तिम स्मृति चित्र–स्व. डा.धर्मपाल आर्य (पूर्व कुलपति,गुरूकुल कांगड़ी व पूर्व प्रधान दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा) का ऐमिटी आर्य युवक शिविर समापन पर रविवार, 18 जून 2017 के अभिनन्दन का चित्र,डा.साहब का 20 मिनट का उद्बोधन भी हुआ। चित्र में साथ में वेदप्रकाश आर्य,यज्ञवीर चौहान,सूर्यदेव आर्य। डा.धर्मपाल जी अत्यन्त सरल स्वभाव के मिलनसार व्यक्तित्व के धनी ईमानदार व्यक्ति थे,मधुर भाषी विद्वान वक्ता व लेखक थे,कुशल मंच संचालक थे,परिषद् के सदैव शुभचिन्तक रहे। लेकिन आर्य समाज की सभाओं ने उनके साथ अन्याय किया व उनकी योग्यता का मूल्याकंन नहीं किया। युवा उद्घोष की विनम्र श्रद्धाजंलि।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का नयी युवा पीढ़ी को संस्कारवान, चरित्रवान, देश भक्त निर्माण करने के लिये श्रावणी पर्व पर देश भर में चलेगा दिनांक 12 अगस्त से 20 अगस्त 2017 तकः–

''युवा संस्कार अभियान''

गांव गली चौराहे पर, घर घर यज्ञ रचायेंगे, धरती को स्वर्ग बनायेंगे

1. शनिवार, 12 अगस्त 2017, प्रातः 8 से 10 तक, आर्य समाज,अरनियां खुर्द, अलीगढ़, उ.प्र.
2. शनिवार, 12 अगस्त 2017,प्रातः 9 से 11 तक, विजय हाई स्कूल, सिक्का कालोनी, सोनीपत, हरियाणा
3. शनिवार, 12 अगस्त 2017, रात्री 7 से 8.30 तक, चौक ईस्ट पार्क रोड़, करोल बाग, दिल्ली
4. रविवार, 13 अगस्त 2017, प्रातः 8 से 10 तक, बी–41/1,ईस्ट ज्योति नगर, शाहदरा, दिल्ली
5. रविवार, 13 अगस्त 2017, प्रातः 7.30 से 9.30 तक, आर्य समाज, सन्देश विहार,दिल्ली.
6. रविवार, 13 अगस्त 2017, सायं 4 से 7 बजे तक, विपिन गार्डन पार्क, पिलर–799, द्वारका मोड़, दिल्ली.
7. रविवार, 13 अगस्त 2017, प्रातः 8 से 10 तक, आर्य समाज, हापुड़,उ.प्र.
8. सोमवार, 14 अगस्त 2017, प्रातः 8 से 10 तक, आर्य समाज, शान्ति नगर, सोनीपत, हरियाणा.
9. सोमवार, 14 अगस्त 2017, प्रातः 8 से 10 तक, आर्य समाज, प्रताप नगर,दिल्ली.
10. सोमवार, 14 अगस्त 2017, सायं 4 से 7 तक, आर्य समाज, मोती बाग, दक्षिण दिल्ली
11. मंगलवार, 15 अगस्त 2017, प्रातः 8 से 11 तक, आर्य समाज, लाजपत नगर, साहिबाबाद, गाजियाबाद
12. मंगलवार, 15 अगस्त 2017, प्रातः 8 से 10 तक,शक्ति पीठ पब्लिक स्कूल, एस.जी.एम.नगर, फरीदाबाद,
13. मंगलवार, 15 अगस्त 2017,प्रातः 10 से 12 तक, आर्य समाज, वजीरपुर जे.जे.कालोनी, दिल्ली.
14. मंगलवार, 15 अगस्त 2017, दोपहर 3 से 5 तक, आर्य समाज, सूर्य निकेतन, पूर्वी दिल्ली.
15. बुधवार, 16 अगस्त 2017, प्रातः 8 से 10 तक, डी.डी.ए.पार्क, सैक्टर–3, द्वारका, दिल्ली
16. बुधवार, 16 अगस्त 2017, सायं 5 से 7 तक, आर्य समाज, महावीर नगर, पश्चिमी,दिल्ली
17. वीरवार, 17 अगस्त 2017,प्रातः 8 से 10 तक, श्रद्धा मन्दिर स्कूल, सैक्टर–87, फरीदाबाद.
18. वीरवार, 17 अगस्त 2017, सायं 3 से 5 तक, आर्य समाज, एन.एच.–3, एन.आई.टी., फरीदाबाद
19. शुकवार, 18 अगस्त 2017, प्रातः 8 से 10 तक, डी.डी.ए.पार्क, सैक्टर–3, द्वारका,दिल्ली.
20. शुकवार, 18 अगस्त 2017, प्रातः 9 से 11 तक, आर्य समाज, माडल टाउन, सोनीपत.
21. शुकवार, 18 अगस्त 2017,सायं 4 से 6 तक,पी.–4,एन.डी.पी.एल.कार्यालय,सुलतानपुरी, दिल्ली.
22. शनिवार, 19 अगस्त 2017,प्रातः 9 से 11 तक,मूर्तिदेवी आर्या पब्लिक स्कूल,के–160, जहांगीर पुरी,दिल्ली.
23. शनिवार, 19 अगस्त 2017,सायं 4 से 6 तक,मकान न.51,शिवपुरी,समयपुर,दिल्ली.
24. रविवार, 20 अगस्त 2017,प्रातः 8 से 10 तक,टीनु पब्लिक स्कूल,संगम विहार,दक्षिण ,दिल्ली.
25. रविवार, 20 अगस्त 2017,प्रातः 9 से 11 तक,आर्य समाज,शाहबाद मुहम्मदपुर,निकट इन्द्रागांधी एयर पोर्ट,दिल्ली.
26. रविवार, 20 अगस्त 2017,प्रातः 9 से 11 तक,आर्य समाज,जानीपुर,जम्मू.
27. रविवार, 20 अगस्त 2017,सायं 4 से 7 बजे तक,आर्य समाज,नया आर्य नगर,गाजियाबाद.

जो विद्वान प्रचारक वेद प्रचार के लिये अपनी निःशुल्क सेवाये देना चाहते हैं उनका हार्दिक स्वागत है।

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970